14-04-2023

भारतीय रिजर्व बैंक ने ग्रीन डिपॉजिट की स्वीकार्यता के लिए फ्रेमवर्क जारी किया

समाचार पत्रों में क्यों?

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने 11 अप्रैल को विनियमित संस्थाओं (RE) के ग्रीन डिपॉजिट की स्वीकार्यता के लिए फ्रेमवर्क (framework for acceptance of Green Deposits of regulated entities) की घोषणा की है।

त्वरित मुद्दा?

- यह ढाँचा 1 जून, 2023 से लागू होगा।ग्रीन डिपॉज़िट (हरित निक्षेप) निश्चित अवधि के लिये एक विनियमित इकाई (Regulated Entity-RE) द्वारा प्राप्त ब्याज-युक्त जमा को संदर्भित करता है, जिसमें ग्रीन फाइनेंस (हरित वित्तपोषण) के आवंटन हेतु निर्धारित आय होती है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- ग्रीन डिपॉजिट का अर्थ है एक निश्चित अवधि के लिए रेगुलेटेड एंटिटीज द्वारा प्राप्त ब्याज- युक्त डिपॉजिट और जिसकी आय को ग्रीन फाइनेंस के लिए आवंटित करने के लिए निर्धारित किया जाता है।
- इस फ्रेमवर्क का उद्देश्य रेगुलेटेड एंटिटीज (RE) को ग्राहकों को ग्रीन डिपॉजिट ऑफर करने, जमाकर्ताओं के हितों की रक्षा करने, ग्राहकों को उनकी सततता के एजेंडे को प्राप्त करने में सहायता करने, ग्रीनवाशिंग से जुड़ी चिंताओं को दूर करने और ग्रीन गतिविधियों/परियोजनाओं के लिए ऋण के प्रवाह को बढ़ाने में मदद करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

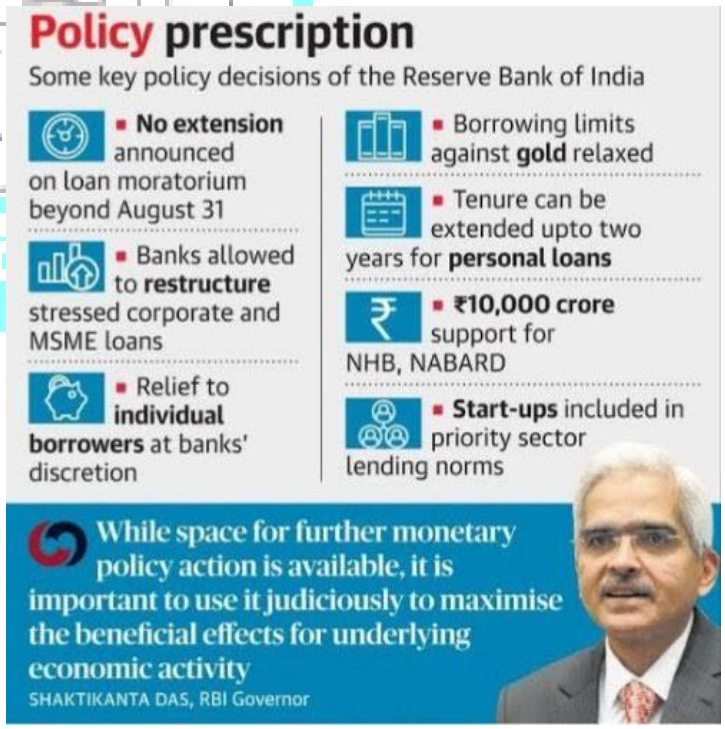

- रेगुलेटेड एंटिटीज (RE) केवल रुपये मूल्यवर्ग में ग्रीन डिपॉजिट स्वीकार कर सकती हैं और पात्र ग्रीन गतिविधियों/परियोजनाओं को इससे अर्जित आय आवंटित कर सकती हैं।
- यह फ्रेमवर्क क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, लोकल एरिया बैंकों और पेमेंट बैंकों को छोड़कर लघु वित्त बैंकों सहित अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों और हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों सहितजमा स्वीकार करने वाली सभी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (NBFCs) पर लागू होता है।
- फ्रेमवर्क के अनुसार, रेगुलेटेड एंटिटीज को ग्रीन डिपॉजिट के माध्यम से जुटाई गई आय को ग्रीन गतिविधियों/परियोजनाओं की अग्रलिखित सूची के लिए आवंटित करने की आवश्यकता होगी:

- संसाधन उपयोग में ऊर्जा दक्षता को प्रोत्साहित करने वाली परियोजनाएं, कार्बन उत्सर्जन और ग्रीनहाउस गैसों को कम करने वाली परियोजनाएं, जलवायु लचीलापन और / या अनुकूलन और मूल्य को बढ़ावा देने वाली परियोजनाएं, और प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र और जैव विविधता में सुधार करने वाली परियोजनाएं।
- रेगुलेटेड एंटिटीज को कवर करने वाले ग्रीन डिपॉजिट के प्रभावी आवंटन के लिए बोर्ड द्वारा अनुमोदित फाइनेंसिंग फ्रेमवर्क (FF) में रखा जाएगा।
- पंजीकृत संस्थाएँ संचयी या गैर-संचयी जमा के रूप में ग्रीन डिपॉजिट जारी करेंगी।
- परिपक्वता पर, जमाकर्ता के विकल्प पर ग्रीन डिपॉजिट का नवीनीकरण या निकासी की जाएगी।
- एक वित्तीय वर्ष के दौरान रेगुलेटेड एंटिटीज द्वारा ग्रीन डिपॉजिट के माध्यम से जुटाई गई धनराशि का आवंटन वार्षिक आधार पर किये जाने वाले स्वतंत्र तृतीय-पक्ष सत्यापन / आश्वासन पर निर्भर होगा।
- भारत ने वर्ष 2070 तक कार्बन तटस्थता का लक्ष्य प्राप्त करने की दिशा में काम करना शुरू कर दिया है और 'ग्रीन डील' इसी दिशा में एक कदम है।
- ग्रीन डील ने डीकार्बोनाइज़ेशन में तेज़ी लाने के लिये ग्रीन फाइनेंस को एक सक्षमकर्त्ता के रूप में वर्गीकृत किया है। यह ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित करने के लिये सरकार और निजी संस्थाओं से पूंजी प्रवाह में वृद्धि की आवश्यकता पर ज़ोर देता है।
- वर्ष 2016 में RBI ने स्थायी वित्तीय प्रणालियों की तर्ज़ पर UNEP (संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम) और भारत के सहयोग के संबंध में एक रिपोर्ट जारी की थी।
- यह रिपोर्ट भारत में वित्तीय प्रणालियों के विभिन्न पहलुओं और हरित वित्त/ग्रीन फाइनेंस में तेज़ी लाने में इसकी भूमिका का आकलन करती है।
- 'परफॉर्म अचीव एंड ट्रेड' स्कीम के ज़रिये देश के नीतिगत ढाँचे में कार्बन ट्रेडिंग की शुरुआत की गई है।
- वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के अनुसार, वर्ष 2023 तक ग्रीन बॉण्ड का बाज़ार दो ट्रिलियन डॉलर से अधिक का हो सकता है।

सी.आर. राव ने सांख्यिकी 2023 में अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार जीता

समाचार पत्रों में क्यों?

वर्ष 2023 अंतर्राष्ट्रीय सांख्यिकी पुरस्कार, जिसे सांख्यिकी में नोबेल पुरस्कार के समकक्ष के रूप में माना जाता है, को कल्यामपुडी राधाकृष्ण राव, एक भारतीय-अमेरिकी सांख्यिकीविद्, को सम्मानित किया गया है।

त्वरित मुद्दा?

- 2016 में स्थापित पुरस्कार को हर दो वर्ष में एक व्यक्ति या टीम को प्रदान किया जाता है जिसने सांख्यिकी का उपयोग करके विज्ञान, प्रौद्योगिकी और मानव कल्याण में महत्वपूर्ण योगदान किया हो।

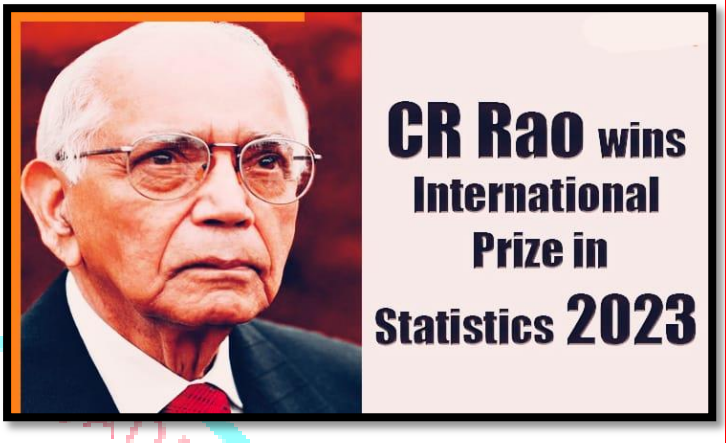

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- पुरस्कार पांच मुख्य अंतर्राष्ट्रीय सांख्यिकी संगठनों के सहयोग से दिया जाता है और एक व्यक्ति या टीम द्वारा महत्वपूर्ण उपलब्धियों को मान्यता देता है।
- राव जुलाई में कनाडा के ओटावा में अंतर्राष्ट्रीय सांख्यिकी संस्थान विश्व सांख्यिकी कांग्रेस में यह पुरस्कार, जिसमें 80,000 डॉलर की नकद राशि शामिल है, से सम्मानित किया जाएगा।
- राव का अभिनव पेपर 'Information and accuracy attainable in the estimation of statistical parameters' 1945 में कलकत्ता गणित समाज के बुलेटिन में प्रकाशित किया गया था, जो सांख्यिकीय समुदाय के लिए अधिक जाना नहीं जाता है।
- बाद में इस पेपर को बुक ब्रेकथ्रूस इन स्टैटिस्टिक्स, 1890-1990 में शामिल किया गया। इससे बड़ी बात यह है कि राव उस समय सिर्फ 25 साल के थे और उन्होंने दो साल पहले ही अपनी स्टैटिस्टिक्स मास्टर डिग्री पूरी की थी।
- कल्यमपुड़ि राधाकृष्ण राव, 1920 में कर्नाटक में जन्मे, पेन्सिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी के सांख्यिकी विभाग में एमेरिटस ईबर्ली प्रोफेसर हैं।
- कोलकाता में भारतीय सांख्यिकी संस्थान की स्थापना में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और 1941 से संस्थान से जुड़े हुए हैं। राव केम्ब्रिज यूनिवर्सिटी से एक डिग्री और सीडी डिग्री रखते हैं।

अन्य प्रमुख तथ्य?

सांख्यिकी में अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार

- सांख्यिकी में अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्रत्येक दो वर्ष में पाँच प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय सांख्यिकी संगठनों के सहयोग से प्रदान किया जाता है।
- पुरस्कार सांख्यिकी क्षेत्र में एक व्यक्ति या टीम द्वारा एक बड़ी उपलब्धि, विशेष रूप से शक्तिशाली एवं मूल विचारों की उपलब्धि, को मान्यता प्रदान करता है, जिसने अन्य विषयों में व्यावहारिक अनुप्रयोगों और सफलताओं को जन्म दिया है।
- यह पुरस्कार नोबेल पुरस्कार, एबेल पुरस्कार, फील्ड्स मेडल और ट्यूरिंग पुरस्कार के बाद तैयार किया गया है।

- बाहरी स्रोतों के अनुसार, 1968 में राव को पद्म भूषण सम्मान से नवाजा गया था और 2001 में उन्हें पद्म विभूषण सम्मान से सम्मानित किया गया था।
- राव को 1963 में एसएस भटनागर पुरस्कार मिला था और उन्हें 1967 में रॉयल सोसायटी का सदस्य बनाया गया था। उन्हें 1979 में अमेरिकी सांख्यिकी एसोसिएशन का विल्क्स मेडल और 2002 में संयुक्त राज्य अमेरिका की राष्ट्रीय विज्ञान मेडल मिला था।
- राव ने अपने करियर के दौरान भारत में जवाहरलाल नेहरू प्रोफेसर और राष्ट्रीय प्रोफेसर जैसे विभिन्न पदों पर काम किए।
- पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय प्रोफेसर के पद पर भी काम किया और पेनसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी में आईबर्ली प्रोफेसर और सांख्यिकी विभाजन के केंद्र के निदेशक के रूप में काम किया।
- सूचना ज्यामिति पर उनके द्वारा किये गए कार्य ने लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर में हिग्स बोसॉन मापन की समझ और अनुकूलन में सहायता की है और कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा विज्ञान, सिग्नल प्रोसेसिंग, आकृति वर्गीकरण और छवि पृथक्करण की प्रगति में योगदान दिया है।
- राव-ब्लैकवेल प्रमेय को स्टीरियोलॉजी, कण निस्पंदन और कंप्यूटेशनल अर्थमिति (Econometrics) सहित अन्य पर लागू किया गया है।
- सिग्नल प्रोसेसिंग, स्पेक्ट्रोस्कोपी, रडार सिस्टम, मल्टीपल इमेज रेडियोग्राफी, रिस्क एनालिसिस और क्वांटम फिजिक्स जैसे विविध क्षेत्रों में क्रैमर-राव लोअर बाउंड का बहुत महत्त्व है।
- कल्यामपुड़ी राधाकृष्ण राव को प्रदान किये गए पुरस्कार ~
  - वर्ष 1968 में पद्म भूषण पुरस्कार से नवाज़ा गया।
  - वर्ष 2001 में पद्म विभूषण पुरस्कार से नवाज़ा गया।

ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना पर रोक

समाचार पत्रों में क्यों?

हाल ही में, राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) द्वारा ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना पर रोक लगा दी गयी।

त्वरित मुद्दा?

- राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा इस परियोजना को दी गयी पर्यावरणीय मंजूरी की समीक्षा के लिए एक समिति का गठन भी किया गया है।

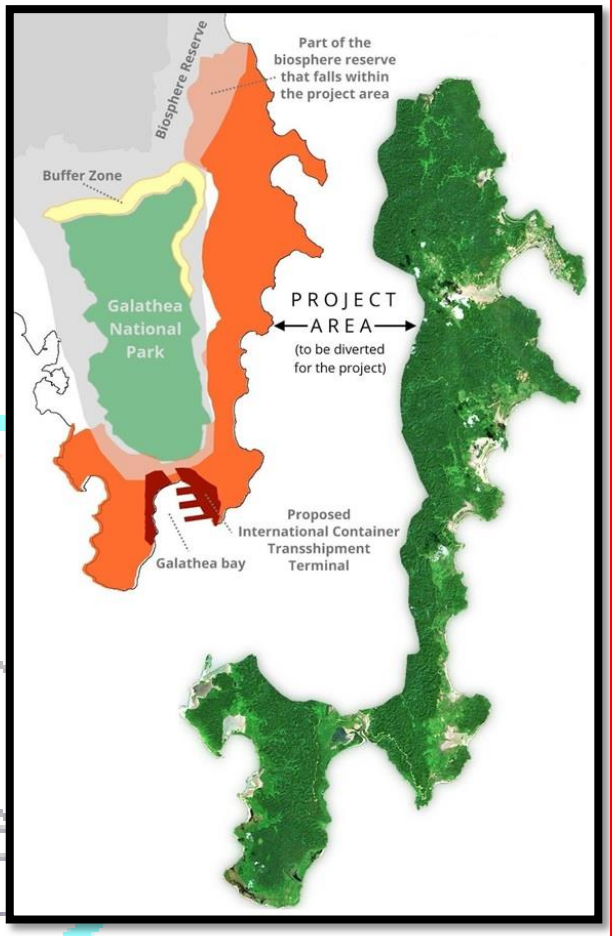

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- नीति आयोग की ग्रेट निकोबार विकास योजना का उद्देश्य, ग्रेटर निकोबार के समग्र विकास को बढ़ावा देना है।
- इस परियोजना में एक अंतर्राष्ट्रीय कंटेनर ट्रांस-शिपमेंट टर्मिनल, एक ग्रीनफील्ड अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, एक बिजली संयंत्र तथा एक टाउनशिप कॉम्प्लेक्स का निर्माण शामिल है।
- इस योजना के अंतर्गत, बायोस्फीयर रिजर्व की सीमाओं के भीतर कुल 244 वर्ग किमी हरे-भरे जंगल और तटीय क्षेत्रों का उपयोग शामिल है।
- प्रस्तावित संयुक्त सैन्य-नागरिक, दोहरे उपयोग वाला हवाई अड्डा भारतीय नौसेना के परिचालन नियंत्रण में होगा।
- इस परियोजना पर होने वाला अनुमानित व्यय लगभग 72,000 करोड़ रुपए है।
- इस परियोजना के लिए, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह एकीकृत विकास निगम (ANIIDCO), नोडल एजेंसी है।
- परियोजना क्षेत्र गैलाथिया बे नेशनल पार्क और कैंपबेल बे नेशनल पार्क के 10 किमी के दायरे में आता है।
- हालांकि, यह राष्ट्रीय उद्यानों के आसपास अधिसूचित पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र के बाहर स्थित है।
- नेशनल बोर्ड फॉर वाइल्डलाइफ (NBWL) की स्थायी समिति ने, बंदरगाह और अन्य संबंधित बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए पूरे गैलाथिया बे वन्यजीव अभयारण्य को गैर-अधिसूचित कर दिया।
- भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (ZSI), भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII) और सलीम अली सेंटर फॉर ऑर्निथोलॉजी एंड नेचुरल हिस्ट्री (SACON)

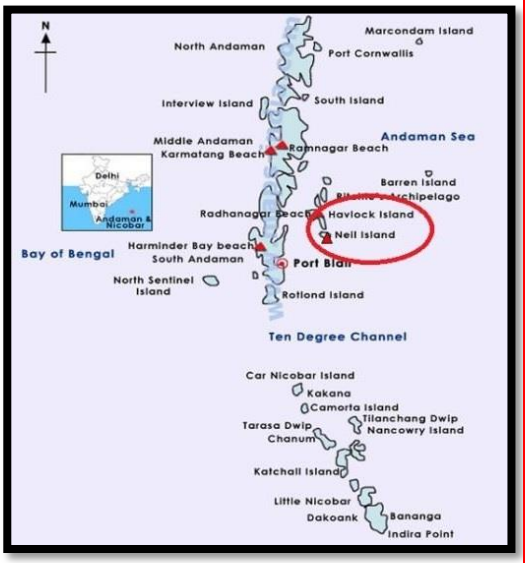

ने जैव विविधता पर परियोजना के प्रभाव का विश्लेषण किया और पाया, कि परियोजना स्थल, द्वीपों के जीवों तथा वनस्पति को नुकसान नहीं पहुंचाएगा।

- इस परियोजना के लिए प्राचीन वर्षावनों में लगभग 8.5 लाख पेड़ काटे जाएंगे, तथा लगभग 12 से 20 हेक्टेयर मैंग्रोव कवर का विनाश होगा।
- प्रस्तावित परियोजना स्थल से लगभग 10 हेक्टेयर प्रवाल आवरण को स्थानांतरित करना होगा।
- कुल 20,668 प्रवाल कालोनियों में से लगभग 16,150 को स्थानांतरित किया जाएगा।
- परियोजना के विकास के दौरान होने वाली गतिविधियों से स्थानीय शोम्पेन और निकोबारी जनजाति के मूल निवासी भी प्रभावित होंगे।
- लेदरबैक समुद्री कछुए, निकोबार मेगापोड(निकोबार द्वीपसमूह का एक उड़ान रहित पक्षी), निकोबार मकाक और खारे पानी के मगरमच्छ जैसे कुछ दुर्लभ जीव भी इस परियोजना से प्रभावित होंगे।
- योजना में बुनियादी ढांचे (बंदरगाह, हवाई अड्डे, आदि) का निर्माण शामिल है, इससे स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी।इससे क्षेत्र में पर्यटन की संभावनाएं पैदा करने में मदद मिलेगी, जिससे आय सृजन में वृद्धि होगी।
- विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के विकास से, अंतर-द्वीप कनेक्टिविटी में सुधार करने में मदद मिलेगी।
- यह स्वास्थ्य सेवा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, और पर्याप्त वायु, समुद्र और वेब बुनियादी ढांचे के लिए सस्ती अत्याधुनिक सुविधाओं का निर्माण करेगा।
- यह डिजिटल इंडिया पहल के एक हिस्से के रूप में टेलीमेडिसिन और टेली-एजुकेशन, जैसी ई-गवर्नेंस सेवाओं के वितरण की सुविधा प्रदान करेगा।
- निकोबार द्वीप, मलक्का जलडमरूमध्य के निकट स्थित है, यह क्षेत्र में भू-राजनीतिक हितों को पूरा करने के लिए मजबूत बुनियादी ढांचे के निर्माण की मांग करता है।

अन्य प्रमुख तथ्य?

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT)

- राष्ट्रीय हरित अधिकरण की स्थापना 18 अक्तूबर, 2010 को राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम 2010 के तहत की गयी थी।
- NGT का उद्देश्य पर्यावरण बचाव और वन संरक्षण और अन्य प्राकृतिक संसाधन सहित पर्यावरण से संबंधित किसी भी कानूनी अधिकार के प्रवर्तन और क्षतिग्रस्त व्यक्ति अथवा संपत्ति के लिए अनुतोष और क्षतिपूर्ति प्रदान करने और इससे जुड़े हुए मामलों का प्रभावशाली और तीव्र गति से निपटान करना है।
- राष्ट्रीय हरित अधिकरण, नागरिक प्रक्रिया संहिता,1908 के द्वारा तय की गई कार्यविधि से प्रतिबंधित नहीं है बल्कि प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुसार कार्य करता है।
- राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम के अनुसार, NGT के पास आने वाले पर्यावरण संबंधी मुद्दों का निपटारा 6 महीनों के अंदर अनिवार्य रूप से हो जाना चाहिए।
- यह अधिकरण पर्यावरण के मामलों में द्रुत गति से न्याय प्रदान करके उच्च न्यायालयों के मुकदमों के भार को कम करने में मदद करेगा।
- NGT की प्रधान पीठ नई-दिल्ली में तथा चार अन्य पीठ भोपाल, पुणे, कोलकाता और चेन्नई में हैं।

- इस द्वीप में, भारत की एकमात्र त्रि-सेवा कमान(अंडमान एवं निकोबार कमान) भी स्थित है।

न्यूज फटाफट

चिचेन इट्ज़ा (CHICHEN ITZA)

- मेक्सिको के युकाटन प्रायद्वीप में प्रसिद्ध माया सभ्यता के चिचेन इट्ज़ा पुरातात्विक स्थल पर फ़ुटबॉल के खेल में प्रयुक्त किये गए पत्थर के प्राचीन स्कोरबोर्ड की खोज की गई है।
- •यह युकाटन प्रायद्वीप पर माया सभ्यता के सबसे बड़े केंद्रों में से एक था। इस शहर को शास्त्रीय अवधि के दौरान माया कालीन लोगों द्वारा दो प्राकृतिक गुहाओं (सेनोट्स या चेनेस) के समीप स्थापित किया गया था, जिसके नाम पर इस शहर का नाम रखा गया।
- •ऐसा माना जाता है कि यह एक धार्मिक, सैन्य, राजनीतिक और वाणिज्यिक केंद्र रहा होगा। इसे वर्ष 1988 में यूनेस्को का विश्व विरासत स्थल नामित किया गया था। माया कालीन लोगों ने 1,000 से अधिक वर्षों तक शासन किया और इस शहर पर अपनी छाप छोड़ी।

कोशकीय कृषि (CELLULAR AGRICULTURE)

- कोशकीय कृषि में जानवरों के स्थान पर कोशिका संवर्धन से पशु-आधारित उत्पादों का उत्पादन शामिल है।
- इसमें दूध, माँस एवं अण्डों के उत्पादन के लिये कोशिका संवर्धन एवं सटीक किण्वन दो अलग-अलग तरीकों का उपयोग किया जाता है।
- कोशिका संवर्धन में मांस का उत्पादन प्रत्यक्ष रूप से कोशिकाओं से होता है जबकि सटीक किण्वन में दूध और अंडे की सफेदी आदि का उत्पादन करने के लिये सूक्ष्मजीवों का उपयोग किया जाता है।
- कार्बन उत्सर्जन में खाद्य उद्योग के बढ़ते योगदान के कारण वर्तमान में कोशकीय कृषि को बढ़ावा दिया जा रहा है।

चोंड्रोस्टेरियम परप्यूरियम (CHONDROSTEREUM PURPUREUM)

- चोंड्रोस्टेरियम परप्यूरियम एक प्रकार की पादप कवक है। यह पौधों में विशेषकर गुलाब परिवारों की प्रजातियों में सिल्वर लीफ रोग का कारण बनती है।
- सिल्वर लीफ रोग पौधों की वृद्धि और स्वास्थ्य के लिये हानिकारक हो सकता है तथा किसानों को आर्थिक नुकसान पहुँचा सकता है।
- हाल ही में मनुष्य में हुए चोंड्रोस्टेरियम परप्यूरियम के संक्रमण के लिये बढ़ता वैश्विक तापन प्रमुख रूप से उत्तरदाई है। कवक की कई प्रजातियाँ ताप सहिष्णु होती हैं जो उच्च तापमान का सामना कर सकती हैं।

जिंगरवाई लॉबेई (JINGRWAI LAWBEI)

- यह मेघालय के पूर्वी खासी हिल्स ज़िले में स्थित गाँव कोंगथोंग की एक विशेष धुन है जिसका अर्थ है माँ का प्रेम गीत।
- बच्चे के जन्म के साथ ही माँ इस धुन का ज्ञान उसे कराती है तथा बच्चे के आसपास वयस्क उस धुन को गुनगुनाते रहते हैं, ताकि बच्चा उस ध्वनि की पहचान कर सके। यह विशेष धुन उस बच्चे की पहचान को इंगित करती है।
- यह धुन आमतौर पर प्रकृति और पक्षियों से प्रेरित है। यहाँ लोगों के बीच यह धारणा है कि जंगल में भूत और आत्मा का वास है। ऐसे में यदि वे किसी का नाम पुकारते या सुनते हैं, तो भूत उस व्यक्ति पर अपना काला जादू कर देंगे।
- गाँव के लोग अपना संदेश एक-दूसरे तक पहुँचाने के लिये इस धुन का प्रयोग करते हैं, इसीलिये इस गाँव को 'व्हिसलिंग विलेज' कहा जाता है।

गोंड पेंटिंग को जीआई टैग

- मध्य प्रदेश के पारंपरिक गोंड पेंटिंग को भौगोलिक संकेतक (भौगोलिक संकेत- जीआई) टैग प्रदान किया गया है, यह कला के रूप में है और इसे बनाने वाले कलाकारों के संरक्षण में मदद करता है।
- गोंड जनजातियों द्वारा बनाई गई ये पेंटिंग प्रकृति, जानवर और धार्मिक विषयों के साथ-साथ उनके जीवन के तरीके को पहचानते हैं।
- डिंडोरी जिला गोंड चित्रों का मुख्य केंद्र है, हालांकि इसका विस्तार अन्य क्षेत्रों तक देखा जा सकता है।
- राष्ट्रीय ग्रामीण संचार मिशन (राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन- NRLM) और राष्ट्रीय शहरी संचार मिशन (राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन- NULM) द्वारा गोंड पेंटिंग को ग्रीटिंग कार्ड, मोबाइल कवर और बैग कवर के माध्यम से कला को व्यापक स्तर पर ऑडियंस तक पहुँचाया जाएगा।

KAUTILYA ACADEMY INDORE